वागड़ संदेश

Tital Code : RAJHIN27802

जन मन की आवाज

www.wagadsandesh.com

सम्पर्क

ई-पेपर मे खबरे व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें

ई-मेल - editorwagadsandesh@gmail.com

8890633631
9309255545
6351581818

वर्ष-1 अंक-131 सागवाड़ा, मंगलवार, 11 जनवरी, 2022 अवधि: हिन्दी ई-पेपर पृष्ठ-1, मूल्य-10 रु. (वार्षिक)

शहर में सफाई को लेकर नवाचार-हर माह मिलेगा स्वच्छता सैनिक पुरस्कार

* शहर की स्वच्छता को लेकर पालिकाध्यक्ष खोडनिया ने की शुरुआत
* पालिकाकर्मियों के लिए 1100 और स्वयं सेवी संस्थाओं के लिए 5001 रुपये का ईनाम

सागवाड़ा। सागवाड़ा शहर की सफाई को चाक चौबंद रखने के लिए पालिकाध्यक्ष नरेन्द्र खोडनिया ने नवाचार शुरू करने जा रहे है। अब हर माह सफाई कर्मचारियों को स्वच्छता सैनिक पुरस्कार से नवाजा जाएगा। इस नवाचार में स्वयं सेवी संस्थाओं को भी शामिल किया जा रहा है। हालांकि इस पुरस्कार को पाने के लिए सफाई कर्मचारियों को कुछ शर्तों को पूरा करना होगा। इस नवाचार की शुरुआत को लेकर मंगलवार को पालिकाध्यक्ष नरेन्द्र खोडनिया, उपाध्यक्ष राजुमामा शेख और पालिका के अधिशाषी अधिकारी मुकेश कुमार मोहिल ने सफाई कर्मचारियों की बैठक ली। पालिकाध्यक्ष खोडनिया ने बताया कि शहर में स्वच्छता को लेकर यह योजना शुरू की गई है। वहर में सफाई को लेकर सफाई प्रभारी अक्षय सेवक के नेतृत्व में पांच जमादार और 125 सफाई कर्मचारी सफाई को देख रहे है। इन सभी को शहर के अलग अलग हिस्सों में सफाई की जिम्मेदारी दे रखी है।

जिसके क्षेत्र में साफ सफाई रहेगी उसे हर माह 1100 रुपये इनाम और प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इस अवसर पर पार्षद भरत जोशी और विमल कलासुआ, डायालाल पाटीदार, ईस्माइल बिल्ला भी मौजूद थे।

कभी भी हो सकता है निरीक्षण

इसे लेकर अधिकारी, कमर्चारी, जमादारों और पार्षदों की जिम्मेदारी तय की जा रही है। जो कभी भी कहीं भी जाकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के माध्यम से ही तय किया जाएगा कि कहां कैसी सफाई हो रही है। एक माह में अधिकतम 10 बार निरीक्षण किया जाएगा। इसमें सर्वाधिक अंक आने वाले कर्मचारी को सम्मानित किया जाएगा।

इनामी योजना में स्वयंसेवी संस्था और समूह भी शामिल, 5001 का ईनाम

पालिकाध्यक्ष खोडनिया ने बताया कि शहर की साफ सफाई की जिम्मेदारी हम सब की है। ऐसे में इस इनामी योजना में पालिका के कर्मचारियों के अलावा स्वयंसेवी संस्था, समूह, क्लब के सदस भी शामिल हो सकते है। ऐसी संस्थाएं भी शहर की सफाई में भागीदारी निभाते है तो उन्हें 5001 रुपये का ईनाम मिलेगा। समस्त कार्यों की निगरानी के लिए समीक्षा टीम बनाई जाएगी। जो रोजाना सफाई के कार्य का निरीक्षण करेगी।

सागवाड़ा थाने में 30 पुलिसकर्मियों को लगी बूस्टर डोज

सागवाड़ा। सागवाड़ा में मंगलवार से कोरोना की बूस्टर डोज लगना शुरू हो गई। हेल्थ केयर वर्कर, फ्रंट लाइन वर्कर व 60 वर्ष से अधिक आयु के गंभीर बीमार लोगों के बूस्टर डोज लगाई गई। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंगलवार को सागवाड़ा पुलिस थाने में टीकाकरण शिविर लगाया गया। जिसमे सीआई सुरेंद्र सोंलकी सहित 30 पुलिसकर्मियों ने बूस्टर डोज लगवाया।

सीआई सोलंकी ने कहा कि जो भी लोग इस कैटेगरी में आते हैं वह बिना विलंब बूस्टर डोज लगवा ले। उन्होंने आम लोगों से कोरोना गाइडलाइन की सख्ती से पालना करने की अपील की। ब्लॉक मुख्य चिकित्साधिकारी डा. पंकज खांट ने बताया कि सोमवार से स्वास्थ्य कर्मियों, फ्रंटलाइन वर्कर एवं गंभीर बीमारियों से ग्रस्त 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों को एहतियाती टीका लगाने की शुरुआत की गई।

डूंगरपुर में नगरपरिषद के जनप्रतिनिधि व कार्मिक करवा रहे खुद अतिक्रमण

प्रतापनगर सर्किल के पास अवैध रूप से रखवाए केबिन, आसपास के व्यापारियों ने किया विरोध

डूंगरपुर। नगरपरिषद के जनप्रतिनिधि व कार्मिक की ओर से इन दिनों अस्थायी केबिनो के जरिये अतिक्रमण करवाए जाने का खेल खेला जा रहा है।

जनप्रतिनिधियो व कार्मिको द्वारा शहर के पोश इलाको में अपने चहेतों को अस्थाई केबिन लगाए जा रहे है जिनका व्यापारियों ने कई बार विरोध भी किया लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। जिसके चलते आसपास के व्यापारियों में आक्रोश है। नगर परिषद डूंगरपुर में इन दिनों जनप्रतिनिधि व कर्मचारियों की ओर से केबिन के जरिए अतिक्रमण करवाए जाने का खेल खेला जा रहा है ।दरअसल शहर के सबसे पॉश इलाके माने जाने वाले प्रताप सर्किल पर सुव्यवस्थित चौराहे का निर्माण पूर्व नगर परिषद के कार्यकाल में हुआ था । लेकिन करोड़ों रुपए की जमीन पर बनी दुकानों के रास्ते में कुछ दिन पहले नगर परिषद की ओर से दिए गए केबिनो को अवैध रूप से स्थापित कर दिया है।

इसके विरोध में तीन बार क्षेत्र के व्यापारी नगर परिषद में आयुक्त और सभापति अमृत कलासुआ से विरोध दर्ज करा चुके हैं लेकिन उन्हें मौके पर तो अतिक्रमण हटाए जाने का आश्वासन दिया जाता है लेकिन पीछे से कोई कार्यवाही अमल में नहीं आती है। व्यापारियों का आक्रोश है कि शहर के महंगे इलाकों में उन्होंने काफी पैसा खर्च कर नीलामी के जरिए नगर परिषद से जमीन खरीदी थी और मौके पर दुकानें बनाई। अब नगर परिषद ऐसे महंगे इलाके में छोटे-छोटे केबिन लगाकर उनके व्यापार को चौपट करने में लगी है।

इसी के चलते आज क्षेत्र के व्यापारियों ने अपनी दुकानों को बंद रखते हुए अपना विरोध जताया और डूंगरपुर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर अतिक्रमण हटाने व नगर परिषद के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी है।

गलियाकोट में किसानों ने दिया धरना

गलियाकोट। भारतीय किसान संघ तहसील गलियाकोट ने तहसील परिसर में धरना देकर राष्ट्रपति के नाम तहसीलदार हिरण्य पाटीदार को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में भारत सरकार से तीन कृषि सुधार अध्यादेशों में पांच संशोधन करने के पश्चात उन्हें लागू करने,किसानों को उनकी फसल का उचित लाभकारी मूल्य मिलने। साथ ही केन्द्र ऐसा कानून बनाये की सरकारी निर्धारित मूल्य से नीचे बाजार में कोई ख़रीदेगा, उसके खिलाप कानूनी दण्ड का प्रावधान बने। किसान संघ ने अपनी स्थानीय किसानों की समस्याओं व मांगो के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम भी ज्ञापन सौंप विभिन्न समस्यों के निराकरण की मांग सरकार से की। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष गोविन्दराम पाटीदार घाटा का गाँव, लल्लु राम बिजुला, जिला संरक्षक गौरीशंकर सिलोही, रमणलाल भेमई, विनायक पाटीदार,कोदरलाल पाटीदार,अम्बालाल, भोगीलाल चितरी, बालकृष्ण चितरी, धनेश्वर, डुंगरलाल सहित ब्लॉक के सेकड़ो किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तीसरी लहर में 5 गुना तेजी से फैल रहा कोरोना

जयपुर। हम एक बार फिर कोरोना लहर की गिरफ्त में हैं। नए केस मिलने की रफ्तार दूसरी लहर से पांच गुना ज्यादा है। मुंबई और कोलकाता में दूसरी लहर के पीक से भी दोगुने केस आ चुके हैं। देश के सात राज्यों की R वैल्यू 3 के ऊपर है, यानी यहां कोरोना विस्फोट होना तय है। इस स्थिति में सभी के मन में एक ही सवाल है कि क्या फिर से लॉकडाउन लगेगा?

आज की मंडे मेगा स्टोरी में हमने लॉकडाउन-1 और लॉकडाउन-2 के ट्रेंड का एनालिसिस किया है। इसके अलावा आज देश में कोरोना की स्थिति और इससे निपटने की तैयारियों को टटोला है। इस आधार पर ये जानने की कोशिश की है कि क्या देश में लॉकडाउन-3 लगेगा? अगर हां, तो इसका फॉर्मूला क्या होगा?

दोस्त की हत्या के मामले में विधि से संघर्षरत दोषी बालक को विशिष्ट न्यायालय ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा

10 हजार का लगाया जुर्माना, प्रेम प्रसंग के चलते की थी हत्या

डूंगरपुर। जिले के विशिष्ट न्यायालय ने दोस्त की हत्या के मामले के विधि से संघर्षरत दोषी बालक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वही दोषी पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। दोनों का एक ही युवती से प्रेम सम्बन्ध थे जिसके चलते विधि से संघर्षरत बालक ने दोस्त की हत्या कर दी थी।

विशिष्ट नयायालय के विशिष्ठ लोक अभियोजक योगेश जोशी ने बताया की मामला सागवाडा थाना क्षेत्र में वर्ष 2018 का है। जोशी ने बताया की 22 दिसम्बर की शाम को सागवाडा थाना पुलिस को थाना क्षेत्र के सूरज गांव में एक खंडहर में एक युवक का शव पड़ा होने की सुचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक की पहचान सागवाडा थाना क्षेत्र के गोवाडी निवासी मुकेश के रूप में की थी। पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू की थी। और सीसीटीवी फुटेज खंगाले थे। सीसीटीवी फुटेज की जाँच में पुलिस ने 21 दिसम्बर को मुकेश को एक युवक के साथ बाइक पर जाते हुए देखा था। जिसके आधार पर पुलिस ने सम्बन्धित युवक को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की थी। पूछताछ में युवक ने बताया था की उसके और मुकेश के एक ही युवती से प्रेम सम्बन्ध थे जिसके चलते उसने मुकेश की हत्या कर दी थी। जिस पर पुलिस ने आरोपी युवक के नाबालिग होने के चलते अनिरुद्ध किया था और कोर्ट में चालान पेश किया था। इसी मामले में अंतिम सुनवाई करते हुए कोर्ट ने आज विधि से संघर्षरत बालक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई वही उस पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। साथ ही 21 साल की उम्र पूर्ण होने तक उसे सम्प्रेष्ण गृह व उसके बाद जेल भेजने के आदेश दिए है।

कोरोना से 4 की मौत

जयपुर। राजस्थान में मंगलवार को कोरोना के 6366 नए केस मिले हैं, जबकि 4 मरीजों की मौत हुई है। इससे पहले प्रदेश में 4 जुलाई को एक साथ 4 मरीजों की मौत हुई थी।

जयपुर सहित 14 जिलों में कोरोना के 100 या उससे ज्यादा केस मिले हैं। करीब 14 दिन के बाद आज ऐसा हुआ है, जब जयपुर में केस बढ़ने के बजाए कम आए हैं। पिछले 24 घंटे के अंदर जयपुर में 2166 नए केस मिले हैं, जो सोमवार की तुलना में 583 कम हैं। राजस्थान मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट से जारी रिपोर्ट के अनुसार, जयपुर के अलावा मंगलवार को जोधपुर में 711, कोटा 446, अलवर 411, उदयपुर 403, भरतपुर 365, बीकानेर 255, अजमेर 195, सीकर 192, बाड़मेर 124, गंगानगर 112, सवाई माधोपुर 114, भीलवाड़ा 108 और दौसा में 104 नए केस मिले हैं। आज जयपुर, नागौर, अजमेर और अलवर में एक-एक मरीज की मौत हुई है।

राजस्थान में अब तक 9 लाख 88 हजार 638 लोग संक्रमित हो चुके है, जिनमें से 9 लाख 49,063 मरीज रिकवर हो चुके है। वहीं 8978 मरीजों की अब तक इस बीमारी से मौत हो चुकी है।

किसानों ने अपनी मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

सीमलवाड़ा। भारतीय किसान संघ राजस्थान प्रदेश चित्तौड़गढ़ तहसील सीमलवाडा ने अपनी मांगों को लेकर सीमलवाड़ा एसडीएम कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन। तहसील अध्यक्ष अमृत लाल पाटीदार ने बताया कि डूंगरपुर जिले में खरीफ फसल 2021 मैं जिले की कई तहसीलों में राजस्व एवं कृषि विभाग के कार्मिकों द्वारा खराबे का सही आंकलन नहीं किया गया जिससे किसानों को फसल खराबा के लाभ से वंचित होना पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जीपीएस सिस्टम को आधार मानकर कार्मिकों ने कार्यालय के अंदर ही बैठकर सर्वे कार्य किया गया है। जिले की तहसील सागवाड़ा, साबला एवं गलियाकोट को छोड़कर शेष तहसील क्षेत्रों में खरीफ फसल खराबा 22 प्रतिशत बताया गया जो की वास्तविकता से परे है। किसानों के साथ अन्याय है, जबकि इस बार पिछले 5 वर्षों से भी कम उत्पादन हुआ है, किसानों को लागत मूल्य भी नहीं मिला है। ज्ञापन में खराबा फसल का पुन: सर्वे करवाकर सही आंकलन कर खराबे का मुआवजा दिलाने की मांग की है। बताया कि समय रहते मांग पूरी नहीं किए तो उग्र आंदोलन किया जाएगा ।

ज्ञापन में रबि फसल हेतु 8 घंटे बिजली सप्लाई, पशुओं को खुद खुरपतवार एवं गलकोट की बीमारी चल रही है , पशुओं को तत्काल ही वैक्सीन लगवाने एवं पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध करवाने, पर्याप्त मात्रा में नहरों से पानी सप्लाई करने एवं जिले में कृषि मंडी खुलवाने की मांग की है। ज्ञापन सौंपते समय तहसील अध्यक्ष पाटीदार, महामंत्री पृथ्वी नाई, एडवोकेट जगत सिंह चुंडावत, प्रकाश पंड्या, रमण लाल भगोरा , कांतिभाई पटेल, रमण लाल पाटीदार, गोवर्धन लाल पाटीदार , महेश भाई, धुलेश्वर भाई, बंशीलाल, प्रभु लाल पाटीदार, नरेंद्र सिंह, मणिलाल, उधम सिंह समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

आंगनवाड़ी कर्मी सबसे ज्यादा शोषित

सीमलवाड़ा।आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ ब्लॉक सीमलवाडा की बैठक पीठ सलारेश्वर महादेव मन्दिर परिसर में ब्लॉक अध्यक्ष राजेश्वरी चौहान की अध्यक्षता, भारतीय मजदूर संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रकाश पंड्या के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व जिलाध्यक्ष मांगीलाल पंचाल, जिलाध्यक्ष लक्ष्मी जैन , महामंत्री मंजुला प्रजापत के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि प्रकाश पंड्या ने सरकार पे आगनवाड़ी कर्मियों का शोषण करने का आरोप लगाया और बताया कि 1982 से कार्यरत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को आज भी स्थाई नही नही किया गया है, मात्र 8000 रुपए के मानदेय पे काम करती है । कोई सुविधा नहीं लेती है और सरकार उनसे 36 प्रकार के अलग अलग काम लेती है। बच्चों का पालन पोषाहार, किशोरियों व गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण, प्रसूति कराना, गोद भराई के अलावा कोरोना टीकाकरण , चुनाव में सहयोग, जन गणना जेसे काम भी उनसे करवाते है। कोरोना में घर घर घूम के सर्वे कर टीकाकरण करवाया परंतु सरकार ने उनको कोई प्रोत्साहन राशि नहीं दी जबकि अन्य नर्सिंग कर्मियों को एक हजार रुपए अतिरिक्त मानदेय दिया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि जिलास्तर पे कुछ दिन पहले एक मंत्री की सभा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को बिना ड्रेस बुला भीड़ बताने का झूठा काम भी उनसे करवाया गया। इस शोषण के खिलाफ आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगी, साथियों ने अब आंदोलन की राह पकड़ी है। जयपुर में विधान सभा घेराव करने की तैयारी की जा रही है। बैठक में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को राज्य कर्मचारी का दर्जा देकर 18 हजार न्यूनतम मानदेय देने, पेंशन ग्रेज्युटी, सबके सामान अवकाश भी देने की मांग की है। बैठक को बीएमएस जिलाध्यक्ष लक्ष्मी जैन ने भी सरकार को चेतावनी देते हुए मांग स्वीकार करने की मांग की है। इस बैठक मै राजेश्वरी चौहान, प्रेमलता पंचाल, सविता यादव, शीतल बंजारा, मंजुला , गीता सहित सिथल, मांडली, धंबोला पीठ, सरथुना की कार्यकर्ताओं, आशा सहगियों ने भाग लिया।

किसानों ने समस्याओं के निस्तारण को लेकर तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

सागवाड़ा। भारतीय किसान संघ के तत्वावधान में उपखंड क्षेत्र के किसानों ने समस्याओं के निस्तारण को लेकर मंगलवार को एसडीएम को ज्ञापन दिया। सुबह में किसान गमरेश्वर मंदिर परिसर में एकत्र हुए, जहां रघुनाथ रेबारी की ओर से किसानों के चाय- पानी की व्यवस्था की। ग्रामीण क्षेत्रों से किसानों के जमा होने के बाद किसान गमरेश्वर मंदिर से हाथों में बेनर लेकर रैली के रूप में नारेबाजी करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे। जहां एसडीएम, राज्यपाल और पीएम के नाम तहसीलदार डॉ मयूर शर्मा को ज्ञापन सौंपें। ज्ञापन में बताया कि वर्ष 2020-21 में फसल खराबे की राशी अभी तक न तो स्वीकृत हुई न ही वितरण की गई है, उसे अविलम्ब तहसील स्तर पर वितरण करावे। उपखंड स्तर पर यूरिया खाद की कमी है। रबी की फसल में समय पर खाद अतिआवश्यक है जिससे कृषक वर्ग खाद काला- बाजारी से खरीद कर उपयोग करने पर मजबूर है। जिससे किसानों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। एसे में क्रय विक्रय समितियों के मार्फत खाद मंगवाकर वितरण कराने की जरूरत है। ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में डूंगरपुर-बांसवाडा नेशनल हाईवे निर्माणाधीन है, सडक किनारे काफी भूमि खुर्दबुर्द की गई है, जिसका नियमानुसार मुआवजा दिलाया जाए। उपखंड क्षेत्र में कई क्रय - विक्रय समितियां बंद या स्टाफ के अभाव में निष्क्रिय है, जिससे कृषकों के कई आवश्यक काम बाधिक होने से परेशानी हो रही है। इस समस्या का शीघ्र समाधान कराएं। क्षेत्र में बिजली की कटौती और अनियमित सप्लाई से भी किसानों को अनावश्यक परेशान होना पड़ रहा है। वहीं आवारा पशुओं से रबी की फसल खराब हो रही है, जिसका उचित प्रबन्धन करावे । उपखंड क्षेत्र में सूअर व नील गाये फसल का खराबा करते है, उसको रोकने के प्रबंध कर किसानों को राहत दी जाए।

गांवों में कलेक्टर बंद कर सकते हैं स्कूल: डॉ. बीडी कल्ला

जयपुर। कोरोना की नई गाइडलाइन में सरकार ने शहरों के स्कूल बंद किए हैं, वहीं गांवों में स्कूल खुले रखे गए हैं। इस पर शिक्षा मंत्री डॉ. बीडी कल्ला ने कहा है कि गांवों में कोरोना संक्रमण का खतरा कम है, इसलिए वहां स्कूल बंद नहीं किए हैं। शहरों में भीड़भाड़ से संक्रमण का खतरा ज्यादा है। यदि गांवों में जहां संक्रमण फैलता है तो वहां स्कूल बंद किए जा सकते हैं। वहीं मार्च में बोर्ड परीक्षाएं कराने के फैसले पर सफाई देते हुए उन्होंने कहा कि तैयारी रखना जरूरी है, यदि संक्रमण की रफ्तार कम नहीं हुई तो परीक्षाएं टाली जा सकती हैं। डॉ. कल्ला ने कहा- गांवों में अभिभावक चाहें तो बच्चों को स्कूल न भेजें। उन्हें ऑनलाइन क्लास का भी विकल्प दिया है। शहरों में जितनी भीड़ है, उतनी गांवों में नहीं है। कोविड गांवों में नहीं फैला है। फिर भी हमारे निर्देश हैं कि कलेक्टर स्थानीय स्तर पर जरूरत के अनुसार गांवों के स्कूल भी बंद कर सकते हैं। कल्ला ने कहा- हमने स्थानीय अध्यापकों से 17 जनवरी से बोर्ड क्लास के प्रैक्टिकल एग्जाम करवाने का फैसला किया है। 15 से 20 के बैच में प्रैक्टिकल एग्जाम लेंगे इसलिए खतरा भी नहीं है। कोरोना पीक पर था तब भी उसी हिसाब से ही एग्जाम करवाए थे।